

# Language Development भाषा विकास

**Language** – It is a medium of communication or expressing ideas.

**Steps of language development** – Normally there is a particular pattern for the development of any language involving 4 following skills.

## **Listening – Speaking – Reading – Writing**

This pattern may vary which we will discuss in our '**Teaching Methods**' chapter of this book.

### **Stages of Language Development**

**Crying** – It is the first stage of language development. The child expresses his/her sad feeling through crying. A child cries differently for different situations.

**Cooing** – 3 months old baby starts cooing. Child pronounces **vowel** letters in this process. The child expresses **happiness** through cooing.

**Babbling** – 6 months old baby starts babbling. In this process, the child starts mixing **consonants** with vowels.

9 months old baby repeats the same letter continuously as a series known as **Echolalia** at this stage.

### **Speaking**

- ✓ 12 – 18 months old baby starts speaking.
- ✓ At first, the child starts speaking One Word Sentence and that word is **Noun**.
- ✓ This expresses the meaning of the whole sentence. This type of speaking is known as **one word sentence/Holo phrase**.
- ✓ 18-24 months child starts speaking the second word, the **second word belongs to Verb**.
- ✓ This type of speech is known as **Telegraphic Speech**.

भाषा विचारों के आदान-प्रदान तथा सम्प्रेषण का साधन है।  
**भाषा विकास के चरण** – भाषा विकास के लिए आमतौर पर एक विशेष पैटर्न होता है। इसमें भाषा के 4 निम्नलिखित कौशलों का प्रयोग होता है।

**सुनना – बोलना – पढ़ना – लिखना**

यह पैटर्न बदल भी सकता है जिसके बारे में विस्तार से इस पुस्तक के '**शिक्षण विधियाँ**' अध्याय में पढ़ेंगे।

### **भाषा विकास की अवस्थाएं**

**रोना** : रोना भाषा विकास की प्रथम अवस्था है। रोकर बच्चा अपने दुख की भावना को प्रकट करता है। अलग-अलग परिस्थितियों में बच्चा अलग-अलग तरह से रोता है।

**घुटकना** : 3 महीने का बच्चा घुटकना शुरू करता है। इस प्रक्रिया में बच्चा स्वर वर्ण का उच्चारण करता है जैसे अ, आ, इ, ई। इस प्रक्रिया के द्वारा बच्चा अपनी खुशी को प्रकट करता है।

**बलबलाना** : 6 महीने का बच्चा बलबलाना शुरू करता है। इस प्रक्रिया में बच्चा स्वर के साथ व्यंजन मिलाने लगता है। जैसे म + आ मा।

9 महीने का बच्चा एक ही वर्ण लगातार श्रृंखला के रूप में दोहराता है जिसे **शब्दानुकरण** कहा जाता है। जैसे – दादादादा पापापापापा।

### **बोलना**

- ✓ 12 से 18 महीने का बच्चा बोलना शुरू करता है।
- ✓ सबसे पहले बच्चा एक शब्द वाला वाक्य बोलता है। यह शब्द **संज्ञा** होता है जैसे-मम,दुधु, मम्मा, पापा।
- ✓ यह शब्द पूरे वाक्य का अर्थ स्पष्ट करता है इसे **Holo phrase** कहते हैं।
- ✓ 18-24 महीने का बच्चा दूसरा शब्द बोलना शुरू करता है। दूसरा शब्द **क्रिया** होता है। जैसे – 'पानी देदो।'।
- ✓ इस प्रकार से बोलने को **तार वाली भाषा** कहते हैं।

- ✓ It means the child starts speaking the second word on the second birthday.
- ✓ Child uses 'I' much more than 'you' during using pronouns.
- ✓ After 2 years – child starts the third word. This third word belongs to **adjectives**.
- ✓ 2½ to 3 years old baby uses grammar. In this process, the child starts using gender or number.
- ✓ 4 to 5 years old children start speaking long sentences.
- ✓ Pronunciation development of the child completes in 4 – 5 years of age.
- ✓ The child learns the letters related to his/her own name very easily.
- ✓ A hybrid model of Language Development called the Emergentist Coalition Model (ECM) that embeds both the pragmatic and cognitive perspectives in a development theory of language acquisition.
- ✓ Language Development in this scenario occurs as a result of the differential weighting of three cues, perceptual or attentional, social and linguistic.
- ✓ Parents/family members are responsible for pronunciation development. So parents should speak clearly and correctly.
- ✓ Language development completes up to the age of 9 to 10 years. The child starts using, understanding, reading and writing all types of sentences

## Theories of Language Development

### Environmental Theory – B. F. Skinner

Environment plays an important role in the development of child's language.

Like the environment – like the language.

The child speaks the language by connecting the language with concrete/real objects or pictures.

Child speaks the language through the following passage –

- ✓ अर्थात् बच्चा दूसरे जन्मदिवस पर दूसरा शब्द बोलना शुरू करता है।
- ✓ सर्वनाम की जगह पर बच्चा 'तुम' की तुलना में 'मैं' का प्रयोग अधिक करता है।
- ✓ 2 वर्ष के बाद बच्चे तीसरे शब्द का प्रयोग शुरू कर देते हैं तीसरा शब्द विशेषण होता है। जैसे :- **ठंडा पानी देदो।**
- ✓ 30 महीने या ढाई साल का बच्चा व्याकरण का प्रयोग करना शुरू कर देता है। इस प्रक्रिया में बच्चा लिंग और वचन का ध्यान रखने लगता है।
- ✓ 4 से 5 साल के बच्चे लम्बे वाक्य बोलने लगते हैं।
- ✓ 4 से 5 साल के बच्चे का उच्चारण विकास पूर्ण हो जाता है।
- ✓ बच्चा अपने स्वयं के नाम से संबंधित वर्णों को शीघ्रता से सीखता है।
- ✓ भाषा के विकास के वर्ण संकर मॉडल को ईसीएम कहा जाता है। यह भाषा अधिगम के विकास सिद्धांत में व्यावहारिक व संज्ञानात्मक दृष्टिकोण दोनों को शामिल करता है।
- ✓ इस परिदृश्य में भाषा विकास तीन संकेतों अवधारणात्मक, सामाजिक भाषिक पर अंतर भार के परिणाम के रूप में होता है।
- ✓ उच्चारण के विकास के लिए माँ-बाप तथा रिश्तेदार ही जिम्मेदार होते हैं। इसीलिए माता पिता को शुद्ध उच्चारण करना चाहिए।
- ✓ बच्चे का भाषा विकास 9 से 10 वर्ष की अवस्था में पूर्ण हो जाता है। बच्चा हर प्रकार के वाक्य सुनने तथा बोलने लगता है।

## भाषा विकास के सिद्धांत

### बी. एफ. स्कीनर का वातावरणीय सिद्धांत

बच्चों के भाषा विकास में वातावरण की अहम् भूमिका होती है। जैसा वातावरण होता है बच्चे की भाषा वैसी ही होती है।

बच्चा मूर्त वस्तुओं या चित्रों से भाषा को जोड़कर बोलना सीखता है।

बच्चों को भाषा निम्न क्रम से सिखाई जाती है:-

**अनुकरण – पुर्नबलन – अभ्यास**

## Imitation – Reinforcement – Exercise

A Hindi family child learns Hindi because of living in Hindi speaking family due to Hindi Environment.

## Innate Theory of Language Development – Noam Chomsky

Heredity plays an important role in the development of child's language.

The child takes birth with **L.A.D. (Language Acquisition Device)**. It means every child has an inborn ability of language learning.

In later years, named that L.A.D. as **U.L.G. – Universal Language Grammar**.

It means every child has the inborn ability of universal language grammar.

A Hindi family child learns English because of living in English family due to the existence of English grammar (U.L.G.) in the child. E.g. we can't take pictures with the phone without having the camera.

**According to Noam Chomsky a child uses Two Laws during learning language.**

**1. Law of Surface Structure** – the child learns verbal expression – speaking/writing/reading through this law.

**2. Law of Deep structure** – the child understands the **meaning** of sentences through this law.

**Note –**

Two Surface structures may have one deep structure. Eg. Ram reads a book. A book is read by Ram.

One surface structure may have two deep structures. Eg. The lamb is ready to eat.

## The problem of language learning

Entering into the deep structure of a surface structure is a language learning problem.

For example: Understanding while reading.

## The Relation between Language and

एक हिन्दी परिवार का बच्चा हिन्दी परिवार में रहकर हिन्दी सीखता है क्योंकि उसे हिन्दी का वातावरण मिला।

**भाषा विकास का जन्मजात सिद्धांत नोअम चोमस्की**  
बच्चों के भाषा विकास में वंशानुक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

बच्चा **L.A.D. (Language Acquisition Device)** के साथ जन्म लेता है। अर्थात् बच्चे में जन्म से ही भाषा सीखने की क्षमता होती है।

बाद में इन्होंने L.A.D. को **U.L.G. (Universal Language Grammar)** सार्वभौमिक भाषा व्याकरण कहा।

अर्थात् बच्चे के अंदर विश्व की सभी भाषाओं का व्याकरण उपलब्ध रहता है।

एक हिंदी परिवार का बच्चा अंग्रेजी सीखता है क्योंकि बच्चे के अंदर जन्म से ही अंग्रेजी भाषा का व्याकरण उपलब्ध था। उदाहरण – अगर मोबाइल में कैमरा ना हो तो फोटो खींच ही नहीं सकते।

**चोमस्की के अनुसार बच्चा भाषा सीखते समय दो नियमों का प्रयोग करता है।**

**1. सतही संरचना नियम :-** इस नियम के द्वारा बच्चा शाब्दिक अभिव्यक्ति-बोलना, पढ़ना, लिखना सीखता है।

**2. गहरी संरचना का नियम:-** इस नियम के द्वारा बच्चा वाक्य के अर्थ सीखता है।

**नोट –**

दो सतही संरचना की गहरी संरचना एक हो सकती है। जैसे – राम पुस्तक पढ़ता है। तथा पुस्तक राम के द्वारा पढ़ी जाती है।

एक सतही संरचना की दो या उससे अधिक गहरी संरचनाएं हो सकती हैं। जैसे – बकरी का बच्चा खाने के लिए तैयार है।

## **भाषा सीखने की समस्या**

सतही संरचना से गहरी संरचना में प्रवेश करना ही भाषा सीखने की समस्या है।

उदाहरण – पढ़ते-पढ़ते मतलब समझ लेना।

### **Thought**

According to **Jean Piaget** child's language and thought is by birth. Language not only follows the thought but also develop the thought. It means language and thought both are affected by each other.

**Lev Vygotsky** — Lev Vygotsky did a remarkable research about Language Development. To know more about Lev Vygotsky's contribution, please refer to '**Theory of Socio-Cultural Development by Lev Vygotsky**' chapter of this book.

### **विचार एवम् भाषा में संगम**

**जीन पियाजे** के अनुसार बच्चों की भाषा और विचार जन्म से ही एक होते हैं। भाषा सिर्फ विचारों का ही अनुसरण नहीं करती बल्कि उसे आगे भी बढ़ाती है। अर्थात बच्चों की भाषा और विचार एक दूसरे को प्रभावित करते हैं।

**लेव वाइगोत्सकी**— लेव वाइगोत्सकी ने भाषा के बारे में महत्वपूर्ण सम्प्रत्यय दिये जिनके बारे में विस्तार से समझने के लिए इस पुस्तक के '**सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का सिद्धांत - लेव वाइगोत्सकी**' वाले अध्याय को देखें।